LOK SABHA

Thursday, November 21, 1963/Kartika 30, 1885 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

दिल्ली में 'सी' बिजली घर (पावर स्टेशन)

+

*९१. { **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री यशपाल सिंह :
श्री बिशनचन्द्र सेठ :
श्री भी० प्र० यादव :
श्री धवन :
श्री गोकरन प्रसाद :
श्री सुरेन्द्रपाल सिंह :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री प्र० चं० बरुग्रा :
श्री दी० चं० शर्मा :

क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में 'सी' बिजली घर (पावर स्टेशन) चालू हो गया है और उसका और विस्तार किया जायेगा ;

(ख) यदि हां, तो इस पर कितना धन व्यय होने की सम्भावना है;

(ग) इससे कितने गांवों को बिजली मिलेगी; और

(घ) इसकी क्या क्षमता होगी ?

सिंचाई और विद्युत् मन्त्री के सभा-सचिव (श्री से० अ० मेहदी) : (क) जी, हां।

(ख) इस एक्स्टेंशन स्कीम पर १६ करोड़ १३ लाख रुपये का खर्चा अनुमानित है।

(ग) इस एक्स्टेंशन स्कीम के चालू होने के समय तक आशा है दिल्ली के ३१६ गांवों में बिजली लग चुकी होगी। इस एक्स्टेंशन स्कीम से इन गांवों के बिजली सम्भरण में वृद्धि होगी।

(घ) यह एक्स्टेंशन स्कीम अधिष्ठापित क्षमता में १८७.५ एम० डब्ल्यू० की वृद्धि लायेगी।

[(a) Yes, Sir.

(b) The Extension Scheme is estimated to cost Rs. 16.13 crores;

(c) The supply to all the 316 villages in Delhi that are expected to be electrified by the time of the commissioning of the Extension Scheme, will be augmented.

(d) The Extension Scheme will add 187.5 MW of installed capacity.]

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं यह जानना चाहूंगा कि इस का जो विस्तार किया जायगा, वह विदेशी टेक्नीशनों द्वारा किया जायेगा, या हिन्दुस्तानी टेक्नीशनों द्वारा किया जायगा।

श्री से० अ० मेहदी: इस में जेनीरेटर और बायलर तो विदेशी लोग देंगे और बाकी चीजें हिन्दुस्तानी बनायेंगे।

श्री ओंकार लाल बेरवा : इस बिजली घर के विस्तार के बाद क्या दिल्ली में कुछ और भी गांव ऐसे रह जायेंगे; जिनको बिजली नहीं मिल सकेगी; यदि हां, तो सरकार उनको बिजली उपलब्ध करने के बारे में क्या

सोच रही है? क्या उनके लिये इस बिजली घर का फिर विस्तार किया जायेगा ?

श्री से० अ० मेहदी : ३१६ गांवों में से १०४ में तो मार्च, १९६३ तक बिजली लग चुकी है। अब २१२ गांव जो बाकी रह गये हैं, उम्मीद है कि थर्ड फ़ाइव-यीअर प्लान के अख़िर तक उन में भी बिजली लग जायगी। इसके अलावा और भी स्कीमें हैं।

श्री यशपाल सिंह : प्रधान मंत्री जी ने फ़रमाया था कि चूंकि "सी" नाम अच्छा नहीं है, इस लिये इसको बदलना चाहिए। हम लोगों ने जेल-ख़ाने में "सी" क्लास के जो डंडे खाए हैं वे आज तक याद हैं। हम जानते हैं कि "सी" का मतलब थर्ड क्लास होता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी के सुझाव के अनुसार क्या सरकार इस नाम को बदलने जा रही है।

श्री से० अ० मेहदी : इस राय का ख़याल रखा जायगा।

Shrimati Savitri Nigam: Keeping in view the occasional failure of power and electricity in Delhi, what steps have been taken to expedite this project and how much time is it likely to take?

Shri S. A. Mehdi: This project is scheduled to be completed by 1965-66. The failure is not only due to the lack of power but is also due partly to the old system of distribution in the city and every step is being taken to correct that.

Shri P. C. Borooah: May I know whether it is a fact that due to the faulty distribution system frequent breakdowns in power occur in Delhi and in spite of this increase in power capacity the people's suffering continues? What steps are being taken to redress this wrong?

Shri S. A. Mehdi: It is expected that by the end of the Third Plan Delhi will have so much of power which would be enough to supply in a regular way. There will be plenty of new power, about 265 megawatts, and these frequent breakdowns which are due to the old system will not hinder the power supply.

श्री शिव नारायण : क्या सरकार बताने की कृपा करेगी कि क्या वह गांवों में स्माल-स्केल इंडस्ट्रीज डवैलप करने के लिए बिजली दे रही है ?

श्री से० अ० मेहदी : दिल्ली सरकार की स्कीम इस के मुताल्लिक होगी।

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि दिल्ली में जो रोज़ाना दो दो घंटे कई जगह बिजली बन्द रहती है, क्या उस में भी कुछ सुधार होने की गुंजायश है; यदि हां, तो कब तक।

श्री से० अ० मेहदी : उम्मीद है कि इस नये एक्सटेंशन के बन जाने के बाद और दूसरी स्कीमों के पूरा हो जाने के बाद यह चीज़ ख़त्म हो जायगी।

श्री म० ला० द्विवेदी : कब तक?

श्री से० अ० मेहदी : ये स्कीम्ज़ १९६५-६६ तक कम्पलीट होंगी।

श्री काशीराम गुप्त : इस बिजली घर के विस्तार के लिए जो विदेशी विशेषज्ञ आयेंगे, वे कौन से देश के होंगे और वे कब तक यहां पर रखे जायेंगे ?

श्री से० अ० मेहदी : कोई विदेशी आदमी नहीं आयेंगे। विदेशी लोग बायलर और जेनीरेटर देंगे।

अध्यक्ष महोदय : वे बायलर और जेनीरेटर हमेशा के लिए यहां रखे जायेंगे।

Shri Warior: May I know whether the Government has any idea of having any substitute arrangement for the interim period of the Plan to provide electricity?

Shri S. A. Mehdi: We are getting some power from Bhakra and it is

expected that in the near future there will be no break-down or any such thing.

Rajendra Memorial Research Society and Rajendra Institute at Patna

*92. **Shri Shree Narayan Das:** Will the Minister of **Health** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1860 on the 12th September, 1963 and state:

(a) whether the question of participation by Government in the establishment of Rajendra Memorial Research Society and Rajendra Memorial Institute at Patna, has been finally considered; and

(b) if so, the result of such consideration?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Dr. D. S. Raju): No proposals have so far been received from the State Government, although some tentative decisions were arrived at with the previous Chief Minister in this connection.

Shri Shree Narayan Das: When the hon. Minister visited Patna, an assurance was given that the Government will consider the scheme and will give substantial aid for this purpose. If so, may I know what was the assurance given?

The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar): The Bihar State Government Chief Minister and the Health Minister were very anxious that there should be a memorial and they asked the Government of India's assistance in that respect along with other members of the Society which has been registered. The proposal was that they will collect some money and some money may be made available from the Central Government. The decisions taken in that meeting were that the State Government should formulate proposals as to what they can do, what is available within the Plan ceiling and to what extent the money can be made available to the Society. There was a proposal to have a special demonstration training centre for TB and that centre could be converted into some kind of a TB research institution for which some money would be forthcoming from the State Government and some money from the Central Government and a beginning could be made in that direction. But no proposals have been received by us uptill now from the State Government in this respect.

Shri Shree Narayan Das: May I know whether, besides the proposals, any scheme has been received by the hon. Minister in this respect and, if so, what are the important features of the scheme?

Dr. Sushila Nayar: We have received no scheme from the State Government at all.

डा० गोविन्द दास : चूंकि राजेन्द्र बाबू हमारे पहले राष्ट्रपति थे, तो क्या उन की कोई यादगार दिल्ली में बने, इसका भी विचार किया जा रहा है ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो बिल्कुल दूसरा सवाल है ।

श्री अ० प्र० शर्मा : अगर स्टेट गवर्नमेंट ने स्कीम भेजने में देरी की है, तो क्या सेंट्रल गवर्नमेंट उसको जल्दी से जल्दी भेजने के लिए हिदायत करेगी ?

डा० सुशीला नायर : जी नहीं, यह इनिशिएटिव तो स्टेट से ही आने का है । हमारे यहां से यह नहीं उठ सकता ।

Shrimati Savitri Nigam: Keeping in view the growing menace of TB diseases, have the Government got any plan to establish such a research centre in Patna?

Mr. Speaker: TB is not in question. Next Question.

Shri P. Venkatasubbaiah: Questions 93, 97 and 114 may be taken up together as they relate to the same subject.